K–1081

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

DPJ–103

Diploma in Phalit Jyotish (DPJ) Ist Year Examination Dec., 2023

विवाह मेलापक एवं गोचर विचार

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×26=52

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रह मैत्री का वर्णन करते हुए बताइए कि कुण्डली मिलान में इनकी भूमिका का क्या महत्व है ?

2. अष्टकूट से आप क्या समझते हैं ? सविस्तार वर्णन कीजिए।

3. दाम्पत्य सम्बन्ध में कौन–कौनसे ग्रह कारक हैं ? स्पष्ट कीजिए।

4. विवाह योग कैसे बनता है ? सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

5. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार विवाह योगों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×12=48

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. विवाह कितने प्रकार के होते हैं ? उनका वैज्ञानिक महत्व क्या है ?

2. द्वादश भावों से विचारणीय विषयों का प्रतिपादन कीजिए।

3. गोचर से आप क्या समझते हैं एवं नव ग्रहों का गोचर के अनुसार शुभाशुभ फल लिखिए।

अथवा

दशाओं का मेलापक में क्या योगदान हैं ?

4. आयु का विचार किन भावों से किया जाता है ? मध्यमायु योगों का वर्णन कीजिए।

5. शनि की साढ़ेसाती का विस्तृत उल्लेख करते हुए निदान पक्ष का भी वर्णन कीजिए।

6. अष्टम भाव की ढैय्या का विस्तार से वर्णन कीजिए।

7. मिलान के समय लग्न, चंद्र, एवं शुक्र से मांगलिक विचार क्यों किया जाता है ? विस्तार से वर्णन कीजिए।

8. अष्टोत्तरी दशा से आप क्या समझते हैं ?

अथवा

संतान प्रतिबंधक योगों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

****